गीता जी का पाठ
गीता महारानी की जय

हरि के मुख से गीता निकली किन-किन रे मन भायी राम
मारो मन लागो गीता में .....
म्हाने गीता जी रो पाठ प्यारो लागे ओ राम
म्हाने भागवत रो पाठ प्यारो लागे ओ राम
मारो मन लागो गीता में .....
अर्जुन रो मन लागो, कुन्ती रो मन लागो
रथ हांकण ने आया ओ राम
मारो मन लागो गीता में .....

1. पहलो अध्याय ऋषि मुनि मन लागो हृदय में जोत जगाई ओ राम, मारो मन लागो गीता में .....
2. दुसरो अध्याय मारा गुरुजी सिखायो म्हाने आसन मारनो सिखायो ओ राम, मारो मन लागो गीता में .....
3. तीसरो अध्याय त्रिलोकी म्हारो सांवरो त्रिभुवन रूप दिखायो ओ राम, मारो मन लागो गीता में .....
4. चौथो अध्याय चुतुर्भुज सांवरो म्हाने चतुर्भुज रूप दिखायों ओ राम, मारो मन लागो गीता में .....
5. पांचवो अध्याय पंचतत्व समझावे काम क्रोध मोंह लोभ मेटो ओ राम, मारो मन लागो गीता में .....
6. छठों अध्याय छबीलो म्हारो सांवरों छेल-छबीलो केवायो ओ राम, मारो मन लागो गीता में .....
7. सांतवो अध्याय सब संत समझावे झूठ कपट सब छोडो ओ राम भारो मन लागो गीता में .....
8. आंठवो अध्याय अठोतर माला फेरो कट जावे जीव रा जंजाल ओ राम, मारो मन लागो गीता में .....
9. नमो अध्याय नर नारायण दसवां में खुल गया दरवाजा ओ राम, मारो मन लागो गीता में.....
11. ग्यारवो अध्याय विराट रूप धरयों अर्जुन रो भरम मिटाया ओ राम मारो मन लागो गीता में .....

SONI PARIWAR INDIA 9352534557 BIKANER

केवे कृष्णजी सुनो सखा अर्जुन अजर अमर है आत्मा ओ राम
इण आत्मा ने अस्त्र नहीं काटे इण आत्मा ने शस्त्र नही काटे
नहीं कोई आग लगावें राम नहीं कोई नीर भिगावे ओ राम
नही कोई पवन सुखावे ओ राम, मारो मन लागो गीता में .....
झुठी काया झुठी माया झुठा है संसार ओ राम,
मारो मन लागो गीता में .....

12. बाहरवों अध्याय बार-बार समझावे अर्जुन रो मन लाग्यो ओ राम मारो मन लागो गीता में .....

13. तेहरवो अध्याय त्रिलोकी म्हारो सांवरो म्हाने पग पग में समझावे ओ राम, मारो मन लागो गीता में .....

14. चौदहवो अध्याय चौरासी कट जावे फेर जन्म नही पावे ओ राम जन्म मरण मिट जावे ओ राम, मारो मन लागो गीता में .....

15. पन्द्रवो अध्याय पीपल के नीचे पढ़यों विष्णु भगवान म्हाने मिल गया ओ राम, मारो मन लागो गीता में .....

16. सोलहवो अध्याय सब सार बतावे अर्जुन से हृदय बढायो ओ राम, मारो मन लागो गीता में .....

17. सत्रहवो अध्याय सत्संग में पढ़यो गुरुजी रो ज्ञान सिखायो ओ राम, मारो मन लागो गीता में .....

18. अठारहवो अध्याय गंगा तट पढ़यों धुप गया सारा पाप ओ राम, मारो मन लागो गीता में .....

जो कोई अठारह अध्याय मन सुं गावे फेर जन्म नही पावे ओ राम
जन्म मरण मिट जावे ओ राम, मारो मन लागो गीता में .....
म्हाने गीता जी रो .....